हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायित 'ए' ग्रेड विश्वविद्यालय)

ज्ञानपथ, समरहिल, शिमला-5

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

विद्यावाचस्पति हिंदी कोर्स वर्क

(Ph.D. Hindi Course Work)

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी.बी.सी.एस.) 2024-25

23/04/2025
प्रो. मंजुला राणा

प्रो. अशोक कुमार

डा० शैल रानी

23.4.2025
डॉ० पान सिंह

पाठ्यक्रम विवरणिका

विद्यावाचस्पति हिंदी कोर्स वर्क (Ph.D. Hindi Course Work)

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी.बी.सी.एस.) 2024-25

भूमिका

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग ने वर्ष 2007 में पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क पाठ्यक्रम को संशोधित एवं परिवर्धित किया था। अब इसी पाठ्यक्रम को चयन आधारित पद्धति (सी.बी.सी.एस.) को लागू करने के उद्देश्य से पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम निर्मित किया है, जिसे सत्र 2025-26 से लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्रों का प्रारूप और अंक विभाजन में अपेक्षित एवं समुचित परिवर्तन किए गए हैं। प्रस्तावित पुस्तकों की सूची भी संवर्धित की गई है।

संबद्धता

हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क पाठ्यक्रम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से संबद्ध होगा।

'पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क' पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीन प्रश्न पत्र होंगे :

मूल पाठ्यक्रम (Core Course) : पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क के प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के लिए दो प्रश्नपत्र अनिवार्य रूप से होंगे, जिसमें पहला प्रश्न पत्र- "शोध और प्रकाशन नैतिकता" (Research and Publication Ethics) है और दूसरा प्रश्न पत्र- "शोध प्रविधि" है।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) : पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क के प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के लिए तीसरे प्रश्नपत्र के अंतर्गत छह विकल्प होंगे, जिसमें से किसी एक का चयन करना होगा। (वैकल्पिक - हिंदी कहानी, हिंदी उपन्यास, हिंदी नाटक, हिंदी कविता, हिंदी आलोचना, लोक साहित्य)

पाठ्यक्रम : पीएचडी हिंदी कोर्स वर्क

कार्यक्रम अनुवर्तन (PO's)

साहित्य ज्ञान : हिंदी भाषा और साहित्य के उत्कृष्ट ज्ञान एवं दृष्टिकोण को शोध के माध्यम से विश्व स्तर पर प्रतिस्थापित करना।

समस्या विश्लेषण : साहित्य के मौलिक और सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों का प्रयोग करते हुए शोध साहित्य और उसकी सम्बद्ध समस्याओं का विश्लेषण करते हुए उसके मूल निष्कर्ष तक पहुंचना।

समाधानों का विकास : मानवीय अनुभवों के आधार पर तथा गहन शोध और समीक्षा के माध्यम से सामाजिक विकास सभ्यता को बहुआयामी आकार प्रदान करने में सहायक बनाना।

जटिल समस्याओं की जांच का संचालन : साहित्य की अवधारणा, सिद्धांतों का निरूपण, अवलोकन, विश्लेषण तथा शोध के सिद्धांतों का प्रयोग कर रचनात्मक कौशल का विकास करना।

आधुनिक उपकरण उपयोग : शोध से संबंधित साहित्यिक एवं आधुनिक शोध सिद्धांतों के उचित दृष्टिकोणों का चुनाव करते हुए क्रियान्वित करना।

साहित्य और समाज : विविध साहित्यिक शोध का समाज के विकास पर प्रमुख प्रभाव को प्रतिबिंबत करना।

पर्यावरण और स्थिरता : शोध के माध्यम से सामाजिक एवं पर्यावरण के दृष्टिकोण और उसकी आवश्यकता को समझना।

नैतिकता : साहित्यिक शोध कार्यों में दर्शाए गए नैतिक सिद्धांतों को समाज के व्यवसायिक, नैतिकता एवं सामाजिक मानदंडों पर क्रियान्वित करना।

व्यक्तिगत और सामूहिक कार्य: बहुआयामी कार्यों में व्यक्तिगत या सामूहिक नेतृत्व के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य करना।

संचार : वैश्विक समुदाय के स्तर पर समाज के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना, साहित्यिक दृष्टिकोण के आधार पर सभी शैलियों में दस्तावेज़ीकरण एवं शोध प्रबंध लेखन, शोध आलेख को लिखने-समझने एवं प्रस्तुतिकरण में सक्षम होना, शोध परियोजना बनाने हेतु अभिप्रेरित करना।

आजीवन अधिगम : पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कौशल और प्रेरणा, शिक्षण करियर शुरू करना, इस प्रकार तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में आजीवन सीखने में संलग्न होना।

कार्यक्रम विशिष्ट अनुवर्तन (PSOs)

1. हिंदी भाषा और साहित्य में शिक्षण तथा अनुसंधान में उत्कृष्टता।
2. हिंदी भाषा और साहित्य में वैश्विक मानकों पर आधारित विद्यावाचस्पति उपाधिधारक शोधार्थी तैयार करना।
3. हिंदी भाषा और साहित्य में शोधार्थी, लेखक, अनुवादक और समालोचक तैयार करना।
4. हिंदी भाषा एवं साहित्य का प्रचार-प्रसार, व्यावसायाभिमुख कौशल को विकसित करना, भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पुनर्स्थापना।

23/04/2025

23.4.2025 22/4/2025 22/4/25

5. विभिन्न तकनीकों का ज्ञान, रोजगारपरकता, वैश्विक स्तर पर शोध की व्यापकता, महत्ता तथा कौशलता की अभिवृद्धि।

6. लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं - लोकगीत, लोकगाथाएँ, लोककथाएं, लोकनाट्य, लोकोक्तियों एवं मुहावरों के अध्ययन से पारम्परिक ज्ञान एवं ग्रामीण जीवन के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक, पर्यावरण, चिकित्सा पद्धति के पहलुओं का विवेचन और विश्लेषण।

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी.बी.सी.एस.) के आधार पर प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अनुवर्तन(Course Outcomes (CO'S) तथा अन्य विवरण निम्न प्रकार है :

वार्षिक	कोर्स कोड	प्रश्नपत्रों के शीर्षक	पाठ्यक्रमअनुवर्तन - Course Outcomes (CO'S)	क्रेडिट	अंक विभाजन
	RPE-PhD-1	शोध और प्रकाशन नैतिकता ("Research and Publication Ethics")	शोध की मौलिकता के महत्व को बढ़ावा देना। प्रकाशन नैतिकता के सिद्धांतों पर विचार करना। शोध कदाचार और भ्रामक प्रकाशन की पहचान करना। इंडेक्सिंग और साइटेशन (उद्धरण डेटाबेस) पर विचार करना। ओपन एक्सेस प्रकाशन और शोध मेट्रिक्स संबंधी सूचना उपलब्ध करवाना। साहित्यिक चोरी संबंधी विविध साधन (टूल्स) की जानकारी देना।	क्रेडिट : 2	50
	HIN-PhD-2	शोध प्रविधि	हिंदी साहित्य के शोध एवं अंतरानुशासनात्मक शोध दृष्टि को विकसित करना। शोध विषय में गुणात्मक एवं मात्रात्मक तथ्यों का विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण एवं कौशल विकास को विकसित करना। आलोचनात्मक दृष्टि को व्यवहारिक और सृजनात्मक रूप विकसित करना।	क्रेडिट : 5	100
	HIN-PhD-3(i)	(वैकल्पिक) हिंदी कहानी (विकल्प-एक)	कहानी के शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझना एवं विकसित करना। कहानी के पठन–पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त होना। कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ, मूल्यों का संवर्धन एव सामाजिक विसंगतियों से अवगत होना।	क्रेडिट : 5	100
	HIN-PhD-3(ii)	हिन्दी उपन्यास (विकल्प-दो)	वृहद कथा साहित्य के कथ्य एवं शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझना। उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक,राजनीतिक सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध। उपन्यास के पठन–पाठन, लेखन एवं आलोचना की ओर प्रवृत्त करना।	क्रेडिट : 5	100
	HIN-PhD-3(iii)	हिंदी नाटक (विकल्प-तीन)	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृत्तियां का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना। नाटककारों के साहित्यिक दृष्टिकोण और रंगमंच की परम्परा से अवगत होना। मानव-मूल्यों का संवर्धन, अभिनेयता के गुणों का संचार तथा सृजनात्मक कौशल का विकास करना।	क्रेडिट : 5	100
	HIN-PhD-3(iv)	हिंदी कविता (विकल्प-चार)	सामाजिक, आध्यत्मिक एवं राष्ट्रीय गुणों को विकसित करना। कविताओं के मूल भाव समझने तथा लेखन व पठन हेतु रूचि पैदा करना। कवियों के चिन्तन एवं मानव-मूल्यों के ज्ञान से अवगत होना।	क्रेडिट : 5	100

	HIN-PhD-3(v)	हिंदी आलोचना (विकल्प-पांच)	हिंदी भाषा और साहित्य में शोधार्थी, लेखक और समालोचक तैयार करना। साहित्य विधाओं का परिचय और आलोचना विधा का विकास करना। विषय के सैद्धांतिक पक्ष का ज्ञान और साहित्य का प्रचार प्रसार करना।	क्रेडिट : 5	100
	HIN-PhD-3(vi)	लोक-साहित्य (विकल्प-छह)	लोक जीवन एवं ग्रामीण समाज के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु लोक साहित्य के अध्ययन का अवलोकन। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध के ज्ञान को विकसित करना। लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं के अध्ययन से किसी भी क्षेत्र की परिस्थितियों का अवलोकन।	क्रेडिट : 5	100

पाठ्यक्रम संरचना

विद्यावाचस्पति हिंदी कोर्स वर्क (Ph.D. Hindi Course Work) का यह पाठ्यक्रम एकवर्षीय होगा, जिसमें तीन प्रश्न पत्र होंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्देशित एवं निर्मित पाठ्यक्रम के आधार को स्वीकृत करते हुए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम चयन आधारित 'क्रेडिट पद्धति (सीबीसीएस)' के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन पद्धति को तैयार किया गया है। सभी विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण होने के लिए 50 प्रतिशत अंक अर्जित करने होंगे और पूर्णांक 55 प्रतिशत होने अनिवार्य हैं।

विद्यावाचस्पति हिंदी कोर्स वर्क (Ph.D. Hindi course work) के प्रश्नपत्रों का विवरण निम्न प्रकार से है-

प्रश्न पत्र-1 शोध और प्रकाशन नैतिकता (Research and Publication Ethics)

प्रश्न पत्र-2 शोध प्रविधि

प्रश्न पत्र-3 वैकल्पिक (विकल्प- हिंदी कहानी, हिंदी उपन्यास, हिंदी नाटक, हिंदी कविता, हिंदी आलोचना, लोक साहित्य)

कुल प्रश्न पत्र =3

(डॉ. शोभा रानी)
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं
अध्यक्ष अध्ययन समिति
हि0प्र0 विश्वविद्यालय, शिमला-5

23/04/2025

23.4.2025 23/4/2025

प्रश्न पत्र – I

शोध और प्रकाशन नैतिकता

पाठ्यक्रम कोड : RPE-PhD-1

समय : तीन घण्टे | कुल क्रेडिट- 2 | पूर्णांक : 50

पाठ्य विषय :

खंड - 1

दर्शन और नैतिकता :

दर्शन का परिचय, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और अवधारणा

नैतिकता की परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णयों की प्रकृति और प्रतिक्रिया

खंड-2

वैज्ञानिक आचारण :

विज्ञान और शोध के संबंध में नैतिकता

बौद्धिक, ईमानदारी और शोध की समेकता

वैज्ञानिक कदाचार, मिथ्याकरण, साहित्यिक चोरी (FFP)

निरर्थक प्रकाशन,अनुलिपि, अतिव्याप्त प्रकाशन, डुप्लीकेट और ओवरलैपिंग प्रकाशन

रिपोर्टिंग का चयन, आंकड़ों की गलत व्याख्या

खंड-3

प्रकाशन नैतिकता :

प्रकाशन नैतिकताः परिभाषा, अवधारणा और महत्त्व

उत्कृष्ट अभ्यास/मानकों का सूत्रपात करने की पहल और दिशा निर्देश: COPE, WAME आदि

हितों का टकराव

प्रकाशन कदाचार : परिभाषा, अवधारणा, अनैतिकता संबंधी समस्याओं को बढ़ाने वाले तत्त्व

प्रकाशन नैतिकता,लेखकीय कार्य और अंशदान का उल्लंघन

प्रकाशन कदाचार, शिकायतों और अपीलों की पहचान

भ्रामक प्रकाशक और पत्रिकाएं

खंड- 4

ओपन एक्सेस प्रकाशन :

ओपन एक्सेस प्रकाशन और उसका आरम्भ

SHERPA ROMEO ऑनलाइन माध्यम द्वारा प्रकाशक के कॉपीराइट और स्व संग्रहण नीतियों की जांच करना।

SPPU द्वारा विकसित हिंसक प्रकाशनों की पहचान करने के लिए टूल्स

23/04/2025

22.4.2025 23/4/2025

जनरल फाइंडर/जनरल सजेशन टूल वेज जैसे- जेन, एल्सवियर, जनरल फाइंडर, स्प्रिंगर जनरल आदि

खंड-5

प्रकाशन कदाचार

(क) सामूहिक चर्चा :

1. विशेष विषय संबंधी नैतिक मुद्दे, FFP, लेखकीय कार्य
2. हित संघर्ष
3. शिकायतें और अपील : भारत और विदेशों से उदाहरण एवं धोखाधड़ी

(ख) साफ्टवेयर टूल्ज :

साहित्यिक चोरी (plagiarism) जांच हेतु टूल्स जैसे-Turtrin, उरकुंड और ओपन सोर्स

खंड-6

डेटाबेस और रिसर्च मैट्रिक्स

(क) डेटाबेस :

1. इंडेक्सिंग डेटाबेस
2. Citation database वेब ऑफ साइंस, स्कोप्स और अन्य

(ख) रिसर्च मैट्रिक्स :

1. जनरल साईटेशन आधारित जनरल इंपैक्ट फैक्टर, रिपोर्ट, SNIP, SJR,IPP, साइट स्कोर
2. मैट्रिक्स H इंडेक्स, G इंडेक्स, आई 10 इंडेक्स, अल्टमेट्रिक्स

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त छः खंडों में कुल सात प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित छः खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (बारह प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

सातवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से सात प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 6×6 = 36 अंक

लघु प्रश्न : 7× 2 = 14 अंक

कुल अंक : 50

अनुशंसित पुस्तकें :

सुरेन्द्र कटारिया एवं श्रीराम पाण्डेय : शोध एवं प्रकाशन नीतिशास्त्र, आर बी. एस. ए. पब्लिकेशन

Debabtata Basu and Aditya Sinha : Research and Publication Ethics, Concept Publishing Co. Pvt.Ltd

23.4.2025 23/4/2025 23/04/2025

प्रश्न पत्र – 2
शोध प्रविधि
पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-2

समय : तीन घण्टे　　　कुल क्रेडिट- 5　　　पूर्णांक : 100

पाठ्य विषय :

खंड.1

शोध का अर्थ एवं स्वरूप
शोध और आलोचना

खंड.2

शोध के मूल तत्व
शोध के प्रकार

खंड.3

शोध की प्रक्रिया : प्रवेश प्रक्रिया, विश्वविद्यालय चयन, निर्देशक चयन,
विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन, सर्वेक्षण, शोधकर्ता एवं निर्देशक : पात्रता एवं अहर्ता

खंड.4

रुपरेखा निर्माण, विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रन्थ सूची, सन्दर्भ-उल्लेख, पाद टिप्पणी शोध कार्य का विभाजन, अध्ययन-उपशीर्षक और अनुपात, शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण

खंड.5

हिंदी शोध : परम्परा एवं वर्तमान स्वरूप
शोध स्तर में गिरावट के कारण एवं सुधार के उपाय
अन्तराष्ट्रीय स्तर पर शोध की स्थिति

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :
पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे|

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक
लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक
कुल अंक :100

नोट : शोध प्रविधि हेतु 'स्टाइल शीट'/ 'एम. एल. ए. स्टाइल शीट' का प्रयोग किया जाए।

अनुशंसित पुस्तकें :

विजय पाल सिंह, हिन्दी अनुसंधान, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
तिलक सिंह, नवीन शोध विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।

23/04/2025
23.4.2025 23/4/2025

विनय मोहन शर्मा, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
उदयभानु सिंह, अनुसंधान का विवेचन, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली।
एस.एस. कन्ने, भारतीय पाठालोचन की भूमिका, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
डॉ.जोगेश कौर, अनुसंधान विधि : हिन्दी शोध ग्रन्थों के सन्दर्भ में,निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
डॉ. सावित्री सिन्हा, अनुसन्धान की प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली।
डॉ. विजयपाल सिंह, हिंदी अनुसन्धान, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
नगेन्द्र, शोध और सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली।
मनमोहन सहगल, हिंदी संशोधन की रूपरेखा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

23/04/2025
23/4/25
23.4.2025
23/4/2025

प्रश्न पत्र – 3

हिंदी कहानी (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-3(i)

समय : तीन घण्टे   कुल क्रेडिट- 5   पूर्णांक: 100

नोट : परीक्षा हेतु विद्यार्थियों से केवल निर्धारित विषयों- उद्भव और विकास, प्रवृत्तियाँ, विशेषताएँ, महत्त्व, तात्विक समीक्षा एवं उद्देश्य से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। लघु प्रश्न हेतु किसी भी रचनाकार का व्यक्तित्व-कृतित्व, संवेदना, कथ्य-शिल्प से संबंधित होंगे।

पाठ्य विषय :

खंड.1

हिंदी कहानी : उद्भव एवं विकास

खंड.2

प्रेमचन्द पूर्व हिंदी कहानी

खंड.3

प्रेमचन्द युगीन हिंदी कहानी

खंड.4

प्रेमचन्दोत्तर हिंदी कहानी

खंड.5

समकालीन हिंदी कहानी

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक

लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक

कुल अंक :100

अनुशंसित पुस्तकें :

रामदरश मिश्र,हिंदी कहानी अन्तरंग पहचान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
गुरचरण सिंह, कहानी का समकालीन, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
राजेन्द्र यादव, कहानी स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
खगेन्द्र ठाकुर : कहानी परम्परा और प्रगति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
शंभु गुप्त : कहानी समकालीन चुनौतियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
डॉ॰ पुष्पलाल सिंह : समकालीन हिन्दी कहानी, पवन प्रिंटर्स, नवीन शाहदरा, दिल्ली, प्र॰ सं॰ 1987

23.4.2025 23/4/2025 23/04/2025

सुरेन्द्र चौधरी : हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र॰ सं॰ 1995
सुरेन्द्र उपाध्याय : कहानी : प्रवृत्ति और विश्लेषण, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, सं॰ 1996
शैलजा . समकालीन हिन्दी कहानी बदलते जीवन संदर्भ, वाणी प्रकाशन प्र॰ सं॰ 2014
कुमार कृष्ण : कहानी के नये प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र॰ सं॰ 2005
डॉ॰ रागिनी सांकृत : स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कहानी, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र॰ सं॰ 2021
डॉ॰ वेदप्रकाश अमिताभ : हिन्दी कहानी का समकालीन परिदृश्य, कुजबिहारी पचौरी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, सं॰ 2005
डॉ॰ चन्द्रकान्ता बंसल : स्वतंत्रयोत्तर हिन्दी कहानी में मानवीय संबंध, आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली, प्र॰ सं॰ 2017
डॉ॰ नीरज शर्मा : अन्तिम दशक की हिन्दी कहानियाँ : संवेदना और शिल्प, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र॰ सं॰ 2011
डॉ॰ लक्ष्मीनारायण लाल : आधुनिक हिन्दी कहानी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1989
डॉ॰ किशोर सिन्हा : हिन्दी की आंचलिक कहानी परम्परा और प्रयोग, जिज्ञासा प्रकाशन, राजेन्द्र नगर पटना, प्रथम संस्करण, 2002
डॉ॰ नरेंद्र मोहन : समकालीन हिन्दी की पहचान, प्रगति प्रिंटर्स, प्रथम संस्करण, 1978
डॉ॰ कीर्ति केसर : स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी का समाज सापेक्ष अध्ययन, नचिकेता प्रकाशन, नई दिल्ली, 1982
रामदरश मिश्र : हिन्दी कहानी अंतरंग पहचान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1977

23.4.2025 23/4/2025 23/4/25 23/04/2025

प्रश्न पत्र – 3
हिंदी उपन्यास (वैकल्पिक)
पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-3(ii)

समय : तीन घण्टे

कुल क्रेडिट- 5 पूर्णांक: 100

नोट : परीक्षा हेतु विद्यार्थियों से केवल निर्धारित विषयों- उद्भव और विकास, प्रवृत्तियां, विशेषताएँ, महत्त्व, तात्त्विक समीक्षा एवं उद्देश्य से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। लघु प्रश्न हेतु किसी भी रचनाकार का व्यक्तित्व-कृतित्व, संवेदना, कथ्य-शिल्प से संबंधित होंगे।

पाठ्य विषय :

खंड.1

हिंदी उपन्यास : उद्भव एवं विकास

खंड.2

प्रेमचन्द पूर्व हिंदी उपन्यास

खंड.3

प्रेमचन्द युगीन हिंदी उपन्यास

खंड.4

प्रेमचन्दोत्तर हिंदी उपन्यास

खंड.5

समकालीन हिंदी उपन्यास

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक

लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक

कुल अंक :100

अनुशंसित पुस्तकें :

डॉ० इन्द्रप्रकाश श्रीमाली, समकालीन हिन्दी उपन्यासों में प्रेम, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर, संस्करण, 2010

डॉ० स्वर्णलता, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास की समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, विवेक पब्लिशिंग हाउस,, जयपुर, संस्करण 1975

डॉ० सुरेश सिनहा, हिन्दी उपन्यास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, द्वितीय संस्करण 1972

डॉ० प्रताप नारायण टंडन, हिंदी उपन्यास का परिचयात्मक इतिहास, विवेक प्रकाशन, लखनऊ, प्रथम संस्करण 1967

23.4.2025 23/4/2025 23/04/2025

डॉ॰ ईश्वर जौहर, हिन्दी उपन्यास साहित्य में राजनैतिक एवं राष्ट्रीय चेतना, शारदा प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012
डॉ॰ वैशाली देशपांडे, स्त्रीवाद और महिला उन्यासकार, विकास प्रकाशन, कानपुर, प्रथम संस्करण 2007
डॉ॰ कुमारी शैलबाला, हिन्दी उपन्यास का प्रारम्भिक विकास, सत्य सदन, बाराबंकी, प्रथम संस्करण1973
डॉ॰ उर्मिला गुप्ता, हिन्दी-कथा-साहित्य के विकास में महिलाओं का योग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1966
डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन 2004
रविन्द्र कुमार जैन, उपन्यास: सिद्धांत और संरचना, दिल्ली पब्लिशिंग हाउस, प्रथम संस्करण 1972
डॉ॰ मक्खनलाल शर्मा, ऐतिहासिकता और हिन्दी उपन्यास, शब्द और शब्द, डी 118 अशोक
परमानंद श्रीवास्तव, उपन्यास की रचना प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
डॉ. सुशील कुमार, अज्ञेय के कथा साहित्य में पाश्चात्य दर्शन, देश भारती प्रकाशन, दिल्ली।
तरसेम गुजराल, दस कालजयी उपन्यास : जमीन की तलाश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
डॉ. मुकुंद द्विवेदी, हिंदी उपन्यास : युगचेतना और पाठकीय संवेदना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
प्रताप नारायण टंडन, हिंदी उपन्यास में कथा शिल्प का विकास, हिंदी साहित्य भण्डार, लखनऊ।
डॉ. योजना रावत, स्त्री विमर्शवादी उपन्यास : सृजन और संभावना, लोकवाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

23.4.2025 23/4/2025 23/4/25 23/04/20

प्रश्न पत्र – 3

हिंदी नाटक (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-3(iii)

समय : तीन घण्टे

कुल क्रेडिट- 5 पूर्णांक: 100

नोट : परीक्षा हेतु विद्यार्थियों से केवल निर्धारित विषयों- उद्भव और विकास, प्रवृत्तियां, विशेषताएँ, महत्त्व, तात्त्विक समीक्षा एवं उद्देश्य से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। लघु प्रश्न हेतु किसी भी रचनाकार का व्यक्तित्व-कृतित्व, संवेदना, कथ्य-शिल्प से संबंधित होंगे।

हिंदी नाटक : उद्भव एवं विकास

खंड.2

भारतेंदु युगीन हिंदी नाटक

खंड.3

प्रसाद युगीन हिंदी नाटक

खंड.4

प्रसादोत्तर हिंदी नाटक

खंड.5

समकालीन हिंदी नाटक

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक

लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक

कुल अंक :100

अनुशंसित पुस्तकें :

डॉ० बनवीर प्रसाद शर्मा, आधुनिक हिन्दी नाटक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2001

डॉ० अशोक कुमार, स्वातंत्र्योत्तर काव्य नाटक, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2009

उषा सक्सेना, रेडियो नाटक लेखन, नटराज प्रकाशन, दिल्ली,प्रथम संस्करण, 2007

डॉ० मंजरी त्रिपाठी, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाट्य साहित्य में युगबोध, लोकवाणी संसथान, प्रथम संस्करण, 2008

डॉ० त्रिपुरारीशरण श्रीवास्तव, आधुनिक हिन्दी नाटकों में खलनायकत्व, अनुपम प्रकाशन, पटना, 1681

डॉ० मुनीश शर्मा, भारतेंदुयुगीन हिन्दी नाटक : त्रासदियों का सफरनामा, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019

डॉ० भगवती प्रसाद शुक्ल, प्रसादयुगीन हिन्दी नाटक, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 1971

23.4.2025 23/4/2025 23/04/2021

डॉ० नरेंद्र मोहन, समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच, वाणी प्रकाशन, 2009
डॉ० रानी रजनी, लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों का रंग शिल्प, भारतीय साहित्य सदन, 1980
डॉ० चन्द्र, नाट्य चिंतन : नये संदर्भ, साहित्य रतनाल्य, कानपुर
जयदेव तनेजा, हिन्दी रंगमंच दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 1988
शशि शेखर नैथानी, नाटकों का तुल्नात्मक अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1969
डॉ० सुरजकान्त शर्मा, हिन्दी नाटक में पात्र कल्पना और चरित्र चित्रण, बुक कम्पनी, 1673
सिद्धनाथ कुमार, नाटकालोचन के सिद्धांत, वाणी प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 2004
डॉ० सुन्दरलाल कथूरिया, प्रसादोत्तर स्वातंत्र्य-पूर्व हिन्दी नाटक, विक्रम प्रकाशन, दिल्ली, 1989
तरसेम गुजराल, दस कालजयी उपन्यास : जमीन की तलाश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
नेमिचंद्र जैन, आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमच, मेकमिलन दिल्ली।
डॉ. सविता तिवारी, नवम् दशक के हिंदी नाटकों की अद्यतन प्रवृतियाँ, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।
डॉ. दशरथ ओझा, हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
गिरीश रस्तोगी, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
डॉ. शेखर शर्मा, समकालीन संवेदना और हिंदी नाटक, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
डॉ. लक्ष्मी राय, आधुनिक हिंदी नाटक, चरित्र सृष्टि के आयाम, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली।
सत्यवती त्रिपाठी, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

23/04/2025

23.4.2025 23/4/2025

प्रश्न पत्र – 3
हिंदी कविता (वैकल्पिक)
पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-3(iv)

समय : तीन घण्टे

कुल क्रेडिट- 5 पूर्णांक: 100

नोट : परीक्षा हेतु विद्यार्थियों से केवल निर्धारित विषयों- उद्भव और विकास, प्रवृत्तियां, विशेषताएँ, महत्त्व, तात्त्विक समीक्षा एवं उद्देश्य से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। लघु प्रश्न हेतु किसी भी रचनाकार का व्यक्तित्व-कृतित्व, संवेदना, कथ्य-शिल्प से संबंधित होंगे।

पाठ्य विषय :

खंड.1

आधुनिक हिंदी कविता : उद्भव एवं विकास

खंड.2

भारतेंदु युगीन हिंदी कविता

खंड.3

छायावादी हिंदी कविता

खंड.4

छायावादोत्तर हिंदी कविता

खंड.5

समकालीन हिंदी कविता

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक

लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक

कुल अंक :100

अनुशंसित पुस्तकें :

हेमंत कुकरेती, आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, पहला संस्करण, 2017

लीलाधर मंडलोई, कविता का तिर्यक, मेधा बुक्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2003

डॉ॰ लालचंद गुप्त 'मंगल' , भक्तिकाव्य : प्रयोजन और प्रभाव, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, हरियाणा, 2017

डॉ॰ गुरचरण सिंह, समकालीन कविता के सरोकार, नवलोक प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2000

23-4-2025 23/4/2025 23/04/2025

संजय आयसवाल, समकालीन हिन्दी आदिवासी कविता में सामाजिक चेतना, आनंद प्रकाशन, कोलकाता, प्रथम संस्करण, 2017
अवधेश कुमार, छायावादी काव्य और उसके कवियों का अवदान, आर० डी० पाण्डेय सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2010
डॉ० बलदेव वंशी, आधुनिक हिन्दी कविता में विचार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2002
नामवर सिंह, छायावाद (1955), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, उन्नीसवां संस्करण, 2020
डॉ० कौशलनाथ उपाध्याय, छायावादोत्तर हिन्दी काव्य बदलते मानदंड एवं स्वरूप, राजस्थानी ग्रन्थागार, प्रथम संस्करण, 1994
डॉ० सुरेश गौतम, छायावाद का अन्तर्लोक पुनर्मूल्यांकन, आलोकपर्व प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 1997
डॉ० वीणा शर्मा, आधुनिक हिन्दी महाकाव्य : संस्कृत साहित्य के परिपार्श्व में, अनुपम प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, 1969
डॉ० कृष्ण भावुक, पूर्व स्वतंत्रता कविता में राष्ट्रीय एकता, शारदा प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1995
डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित, छायावादी कवियों का सौंदर्य विधान, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया, मद्रास, प्रथम संस्करण, 1974
डॉ० रामकुमार मिश्र, छायावादोत्तर हिन्दी काव्य शिल्प, शुभदा प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2001
एकांत श्रीवास्तव, एकांत श्रीवास्तव, आधुनिक हिन्दी कविता और काव्यानुभूति, 2019, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
शिवकुमार मिश्र, आधुनिक कविता और युग संदर्भ, 2008, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
डॉ० राजेन्द्र मोहन भटनागर, आधुनिक हिन्दी कविता और विचार, 1987, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
गणेश पाण्डेय, नयी सदी की कविता, 2016, वाणी प्रकाशन
कृष्णदत्त पालीवाल, नवजागरण, देशी स्वच्छंदतावाद और नयी काव्यधारा, 2007, स्वराज प्रकाशन
सुधीश पचौरी, नयी कविता का वैचारिक आधार, 1987, राधाकृष्ण प्रकाशन
कंवल भारती, दलित कविता का संघर्ष, 2012, स्वराज प्रकाशन
सरस्वती भल्ला, आधुनिक हिन्दी कविता विविध आयाम, 2000, अनामिका पब्लिशर्स
अजय तिवारी, प्रगतिशील कविता के सौंदर्य मूल्य, 2016, वाणी प्रकाशन
कुमारेन्द्र पारसनाथ सिंह, कविता का संघर्ष, 2016, वाणी प्रकाशन
अशोक वाजपेयी, कविता का कल, 1997, राधाकृष्ण प्रकाशन
रामस्वरूप चतुर्वेदी, आधुनिक कविता यात्रा, 1990, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
नंददुलारे वाजपेयी, नई कविता, 1997, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
नंदकिशोर नवल, शताब्दी की कविता, 2001, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
डॉ० महेंद्र पाल कौशिक, आधुनिक हिन्दी काव्य में जीवन दर्शन (भाग-1-2), 2008, संजय प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्न पत्र – 3

हिंदी आलोचना (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-3(v)

समय : तीन घण्टे

कुल क्रेडिट- 5

पूर्णांक: 100

नोट : परीक्षा हेतु विद्यार्थियों से केवल निर्धारित विषयों- उद्भव और विकास, विशेषताएँ, महत्त्व, प्रकार एवं उद्देश्य से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे| लघु प्रश्न हेतु किसी भी रचनाकार का व्यक्तित्व-कृतित्व, आलोचना, भाषा एवं शैली से संबंधित होंगे|

पाठ्य विषय :

खंड.1

आलोचना : उद्भव एवं विकास

खंड.2

शुक्ल पूर्व हिंदी आलोचना

खंड.3

शुक्ल युगीन हिंदी आलोचना

खंड.4

शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना

खंड.5

समकालीन हिंदी आलोचना

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगी, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा|

ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे|

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक

लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक

कुल अंक :100

अनुशंसित पुस्तकें :

कृष्णदत्त शर्मा : आलोचना के सीमांत, अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्टब्यूटर्स, प्रा॰ लिमिटेड, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2021

डॉ. एस॰पी॰ खत्री, शिवदान सिंह चौहान, आलोचना इतिहास तथा सिद्धान्त, राजकमल प्रकाशन, प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली, 1964

डॉ. वेंकट शर्मा, आधुनिक हिन्दी साहित्य में समालोचना का विकास, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1962

कृष्णदत्त पालीवाल : हिन्दी आलोचना का सैद्धान्तिक आधार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1988

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : आठवें दशक की हिन्दी आलोचना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली, 1991

23.4.2025

23/4/2025

23/04/2025

रामचन्द्र तिवारी : हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद 1996
विनय प्रकाश तिवारी ; विमर्श मूलक हिन्दी आलोचना और उत्तर आधुनिकता, सामयिक बुक्स नई दिल्ली, 2017
श्यामसुंदर दास : साहित्यालोचन, विश्वभारती पब्लिकेशन्स, 2020
कृष्णदत्त शर्मा : भाषा आलोचना और आलोचक दृष्टि, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स प्रा॰लिमिटेड, 2017
गोपेश्वर सिंह : आलोचना के परिसर, वाणी प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 2020
शिवकुमार मिश्र : आलोचना के प्रगतिशील आयाम, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 1987
भारत भारद्वाज, साधना अग्रवाल : नामवर सिंह और हिन्दी आलोचना, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली, 2021
प्रो. राम सुहाग सिंह : हिन्दी आलोचना के मानदण्ड, गिरनार प्रकाशन, पिलाजीराव महेसाना, 1986,
देवेन्द्र चौबे : आलोचना का जनतंत्र, आधार प्रकाशन, हरियाणा, 2011
डॉ. रतन कुमार पाण्डेय : आलोचक और आलोचना सिद्धान्त, वीना प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
कृपाशंकर सिंह : आधुनिक आलोचना बनाम शैली विज्ञान, प्रासंगिक प्रकाशन, 1982
बच्चन सिंह : आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1983
रवि रंजन : आलोचना का आत्मसंघर्ष, वाणी प्रकाशन 2011, दरियागंज, नई दिल्ली
भागीरथ दीक्षित : समीक्षालोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन कृष्णनगर, दिल्ली, 1976,
बच्चन सिंह : आलोचक और आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,1970
डॉ. जगदीश चन्द्र जैन : पाश्चात्य समीक्षा दर्शन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, प्रथम संस्करण 1200
हरीशचन्द्र जायसवाल : आलोचना इतिहास एवं सिद्धान्त, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद प्रथम संस्करण, 1972

23/04/2025

23/4/25

23.4.2025 23/4/2025

प्रश्न पत्र - 3

लोक साहित्य (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : HIN-PhD-3(vi)

समय : तीन घण्टे

कुल क्रेडिट- 5 पूर्णांक: 100

नोट : परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से केवल निर्धारित विषयों- परम्परा और विकास, प्रवृत्तियां, विशेषताएँ, महत्त्व, लोक साहित्य का परिदृश्य से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। लघु प्रश्न हेतु हिमाचल के विशेष लोक गीत, लोक नाट्य, लोक गाथाएं , लोक कथाएं, लोक पहेलियाँ तथा मुहावरे-लोकोक्तियों से संबंधित प्रश्न होंगे।

पाठ्य विषय :

खंड.1

लोक साहित्य : परम्परा एवं विकास

खंड.2

लोक साहित्य के विविध रूप

खंड.3

लोक साहित्य का वर्तमान परिदृश्य

खंड.4

हिमाचली लोक साहित्य : विविध आयाम

खंड.5

हिमाचली लोक साहित्य का वैश्विक स्तर

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त पांच खंडों में कुल ग्यारह प्रश्न पूछे जाएँगे :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पांच खंडों में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न (दस प्रश्न) पूछे जाएँगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

ग्यारहवें प्रश्न के अंतर्गत सभी खंडों में से दस लघु प्रश्न होंगे, जिनमें से आठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

पांच आलोचनात्मक प्रश्न : 5× 12 = 60 अंक

लघु प्रश्न : 5× 8 = 40 अंक

कुल अंक :100

अनुशंसित पुस्तकें :

डॉ वीरेन्द्र सिंह यादव : लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति परंपरा एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य प्रकाशक: ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली.110002

डॉ सुरेश गौतम : भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता प्रकाशक: शब्द सेतु, ए139, दिल्ली 110094

डॉ सुरेश गौतम : लोक साहित्य अर्थ और व्याप्ति प्रकाशक: संजय प्रकाशन दिल्ली भारत 110002

डॉ श्रीराम शर्मा : लोक साहित्य का सामाजिक सांस्कृतिक अध्ययन (बिलासपुर जनपद के संदर्भ में) प्रकाशक. निर्मल प्रकाशन नई दिल्ली 110094

23.4.2025 23/4/2025 23/04/2025

एम आर ठाकुर : हिमाचल के लोक नाट्य और लोकानुरंजन, प्रकाशक. हिमाचल पुस्तक भंडार महावीर चौक गांधीनगर, दिल्ली
प्रो. ए. अच्युतन लोक नाट्य एवं संस्कृति प्रकाशक: शब्द संसार प्रकाशन दिल्ली 94
डॉ श्रीराम शर्मा . लोक साहित्य स्वरूप और मूल्यांकन प्रकाशक: निर्मल प्रकाशन दिल्ली 94
डॉ सत्येन्द्र लोक साहित्य विज्ञान प्रकाशक: राजस्थानी ग्रन्थागार जोधपुर
प्रो चमन लाल गुप्ता : हिमाचली लोकगीत मंजूषा प्रकाशन: निर्मल प्रकाशन नई दिल्ली 110094
प्रो चमन लाल गुप्ता : हिमाचली संस्कृति एवं समाज (लोकगीतों के दर्पण में) प्राचीन कांगड़ा जनपद के अंतर्गत कांगड़ा,ऊना, हमीरपुर के लोकगीतों के विशेष सन्दर्भ में प्रकाशक निर्मल प्रकाशन नई दिल्ली 110094
कृष्ण देव उपाध्याय . लोक संस्कृति की रूपरेखा प्रकाशक :लोक भारतीय प्रकाशन (इलाहाबाद 1)
डॉ रामनिवास शर्मा : लोक साहित्य का लोक तत्व प्रकाशक: निर्मल प्रकाशन नई दिल्ली 94
डॉ गोविंद चातक : भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ: मध्य हिमालय प्रकाशक: तक्षशिला प्रकाशन 11002
श्रीचंद्र जैन . लोककथा विज्ञान प्रकाशक: मंगल प्रकाशन जयपुर
डॉ. भवानी सिंह, हिमाचल प्रदेश की लोकगाथाएँ, लिटरेरी सर्किल, जयपुर।
डॉ ओम प्रकाश शर्मा, हिमाचली पहाड़ी भाषा, लिपियाँ व लोक साहित्य, आकाश पब्लिशिंग हाउस, रोहतक।
डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, महासुवी एवं सिरमौरी लोक गाथाएँ, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

23/04/2025

23.4.2025 23/4/2025

No. 6-38/2025 Ph.D Course Work (Hindi) HPU (Acad.)
Himachal Pradesh University, Summer Hill, Shimla-5
(NAAC Accredited "A" Grade University)
"Academic Branch".

Dated: 0 9 JUN 202

To

1. The Dean, Faculty of Languages, HPU, Shimla-5
2. The Controller of Examinations. HPU. Shimla-5.
3. The D.R. Exam. (PG) HPU. Shimla-5.
5. The D.R. Eval./Re-Eval./Conduct, HPU, Shimla-5.
6. The D. R. Secrecy. HPU. Shimla-5. **(with 2 spare copies.)**
7. The S.O. Exam (M.A. Hindi) HPU. Shimla-5.
8. The Librarian. HPU Main Library. Shimla-5
9. The Incharge. Computer Centre. Examination Wing (PG). HPU. Shimla-5.

Subject: *Complimentary copy of* **Ph.D. Coursework in the subject of Hindi.**

Sir/Madam.

I am sending herewith a complimentary copy of **Ph.D. Coursework in the subject of Hindi** *as per annexure* duly approved by the Standing Committee of Academic Council in its meeting held on 27.05.2025 **vide item No. 17**, on the recommendations of the concerned Board of Studies (PG) and Faculty **effective from the session 2024-2025.**

Yours faithfully.

10.6.
Deputy Registrar (Acad.)
HP University Shimla-5
Dated: 10 JUN 2025

Endst. No. Even
Copy to:

1. The Chairman Department of Hindi, Shimla-5 for information and **send the soft copy in PDF format to web Admin, HPU, Shimla-5 immediately.**
2. The Web Admin, HPU. Shimla-5, with the request to upload this letter with syllabus on the website after receiving the soft copy from the concerned department.
3. The Dealing Assistant Meeting (Acad.). HPU. Shimla-5. for information.
4. Guard file.

10.6.
Deputy Registrar (Acad.)